UP Board Class 7 Social Science Important Questions Geography Chapter 4 धरातल के रूप बदलने वाले कारक : वाह्य कारक

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
भूमि उपयोग किसे कहते हैं?
उत्तर:
भूमि का उपयोग विभिन्न कार्यों में किया जाता है, जैसे-कृषि, वानिकी, खनन, कारखाने लगाना आदि; इसे भूमि उपयोग कहते हैं।

प्रश्न 2.
निजी भूमि एवं सामुदायिक भूमि में क्या अन्तर है?
उत्तर:
निजी भूमि व्यक्तियों के स्वामित्व में होती है जबकि सामुदायिक भूमि समुदाय के स्वामित्व में होती है।

प्रश्न 3.
भूमि का उपयोग किन कारकों पर निर्भर होता है?
उत्तर:
भूमि का उपयोग भौतिक कारकों द्वारा निर्धारित किया जाता है, जैसे-स्थलाकृति, मृदा, जलवायु, खनिज और जल की उपलब्धता आदि।

प्रश्न 4.
भूमि संसाधन का किन तरीकों से संरक्षण किया जा सकता है? कोई दो तरीके बताइए।
उत्तर:

- वनों का विस्तार करना।
- उर्वरकों के विनियमित उपयोग तथा अतिचारण पर रोक लगाना।

प्रश्न 5.
मृदा किसे कहते हैं?
उत्तर:
पृथ्वी के पृष्ठ पर दानेदार कणों के आवरण की पतली परत को मृदा कहते हैं।

प्रश्न 6.
भूस्खलन किसे कहते हैं?

उत्तर:
सामान्य रूप से शैल, मलबा या ढाल से गिरने वाली मिट्टी के वृहत संचलन को भूस्खलन कहा जाता है।

प्रश्न 7.
अपक्षय किसे कहते हैं?
उत्तर:
तापमान परिवर्तन, तुषार क्रिया, पौधों, प्राणियों और मनुष्य के क्रियाकलाप द्वारा अनावरित शैलों का टूटना अपक्षय कहलाता है।

प्रश्न 8.
वेदिका फार्म कहाँ तथा क्यों बनाये जाते हैं?
उत्तर:
चौड़े, समतल सोपान अथवा वेदिका तीव्र ढालों पर बनाए जाते हैं ताकि सपाट सतह फसल उगाने के लिए उपलब्ध हो जाए।

प्रश्न 9.
रक्षक मेखलाएँ किसे कहते हैं?
उत्तर:
रक्षक मेखलाओं में तटीय प्रदेशों और शुष्क प्रदेशों में पवन गति को रोकने हेतु वृक्षों की कतार बनाई जाती है ताकि मृदा आवरण को बचाया जा सके।

प्रश्न 10.
जैवमण्डल किसे कहते हैं?
उत्तर:
प्राकृतिक वनस्पति और वन्य जीवन केवल स्थलमण्डल, जलमंडल और वायुमण्डल के बीच जुड़े एक संकरे क्षेत्र में ही पाए जाते हैं जिसे जैवमण्डल कहते हैं।

प्रश्न 11.
वनस्पति की वृद्धि किस पर निर्भर करती है?
उत्तर:
वनस्पति की वृद्धि मुख्य रूप से तापमान और आर्द्रता पर निर्भर करती है।

प्रश्न 12.
पारितंत्र किसे कहते हैं?
उत्तर:
सभी जीवित जातियाँ जीवित रहने के लिए एकदूसरे से परस्पर संबंधित और निर्भर रहती हैं। इस जीवन आधारित तंत्र को पारितंत्र कहते हैं।

प्रश्न 13.
विश्व की वनस्पति को मुख्य रूप से कितने वर्गों में रखा जा सकता है? नाम लिखिए।
उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

चार वर्गों में-(1) वन (2) घास स्थल (3) गुल्म (4) टुंड्रा।

प्रश्न 14.
भारत में ऐसे दो पशु-पक्षियों के नाम लिखिए, जिन्हें मारना अवैध है।
उत्तर:
(1) शेर (2) मोर।

प्रश्न 15.
राष्ट्रीय वन/उद्यान से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
वर्तमान और भावी पीढ़ी के लिए एक या एक से अधिक पारितंत्रों की पारिस्थितिक एकता की रक्षा के लिए नामित किया गया प्राकृतिक क्षेत्र राष्ट्रीय वन अथवा उद्यान कहलाता है।

प्रश्न 16.
वर्षा जल संग्रहण किसे कहते हैं?
उत्तर:
घर की छत पर वर्षा जल को एकत्रित करके, उसका संग्रहण करना एवं विभिन्न उत्पादक उपयोगों में लाना वर्षा जल संग्रहण कहलाता है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
"विश्व के विभिन्न भागों में जनसंख्या का वितरण असमान पाया जाता है।" इसका क्या कारण है?
उत्तर:
भूमि और जलवायु के भिन्न-भिन्न लक्षणों के कारण विश्व के विभिन्न भागों में जनसंख्या का वितरण असमान पाया जाता है। विश्व में ऊबड़-खाबड़ स्थलाकृति, पर्वतों के तीव्र ढाल, जलाक्रांत संभावित निम्न क्षेत्र, मरुस्थल क्षेत्र एवं सघन वन क्षेत्र सामान्यतः विरल अथवा निर्जन हैं। जबकि उर्वर मैदानों और नदी घाटियों में कृषि के लिए उपयुक्त भूमि उपलब्ध है, अतः ये स्थान विश्व के सधन बसे क्षेत्र हैं।

प्रश्न 2.
भूमि उपयोग पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
भूमि एक महत्त्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है। भूमि का उपयोग विभिन्न कार्यों के लिए किया जाता है, जैसे-कृषि, वानिकी, खनन, सड़क निर्माण, उद्योगों की स्थापना इत्यादि। इसे भूमि उपयोग कहा जाता है। भूमि का उपयोग भौतिक कारकों द्वारा निर्धारित किया जाता है; जैसे-स्थलाकृति, मृदा, जलवायु, खनिज, जल की उपलब्धता आदि। मानवीय कारक जैसे जनसंख्या और प्रौद्योगिकी भी भूमि उपयोग प्रतिरूप के महत्त्वपूर्ण निर्धारक हैं।

प्रश्न 3.
स्वामित्व के आधार पर भूमि के वर्गीकरण को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
स्वामित्व के आधार पर भूमि को दो भागों में बाँटा गया है-
(1) निजी भूमि-निजी भूमि पर व्यक्तियों का स्वामित्व होता है जिसे वे निजी हित हेतु उपयोग में लेते हैं।

(2) सामुदायिक भूमि-सामुदायिक भूमि पर समुदाय का स्वामित्व होता है। इसका उपयोग समुदाय से सम्बन्धित व्यक्तियों के लिए किया जाता है, जैसे-चारा, फलों, नट या औषधीय बूटियों को एकत्र करना । इस सामुदायिक भूमि को साझा संपत्ति संसाधन भी कहते हैं।

प्रश्न 4.
भूस्खलन किसे कहते हैं? इसे रोकने की प्रविधियों को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
भूस्खलन-सामान्य रूप से शैल, मलबा या ढाल से गिरने वाली मिट्टी के वृहत संचलन को भूस्खलन कहते हैं। यह भूकंप, बाढ़ तथा ज्वालामुखी के कारण होता है।

भूस्खलन रोकने की प्रविधियाँ-

- भूस्खलन वाले स्थानों पर आवास निर्माण नहीं किया जाना चाहिए।
- भूमि को खिसकने से बचाने के लिए प्रतिधारी दीवार का निर्माण करना।
- भूस्खलन वाले क्षेत्रों में वनस्पति आवरण में वृद्धि करना।
- सतही अपवाह तथा झरना प्रवाहों के साथ-साथ भूस्खलन की गतिशीलता को नियन्त्रित करने के लिए पृष्ठीय अपवाह नियन्त्रण उपाय कार्यान्वित किए जाने चाहिए।

प्रश्न 5.
भूमि संसाधन के संरक्षण पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
विश्व में बढ़ती जनसंख्या तथा बढ़ती माँग के कारण वन भूमि तथा कृषि योग्य भूमि का विनाश हुआ है, जिसके फलस्वरूप प्राकृतिक संसाधनों के समाप्त होने का खतरा उत्पन्न हो गया है। अतः भूमि संसाधन का संरक्षण किया जाना चाहिए। वनरोपण, भूमि उद्धार, रासायनिक कीटनाशकों और उर्वरकों के विनियमित उपयोग तथा अतिचारण पर रोक . आदि भूमि संरक्षण के लिए प्रयुक्त कुछ सामान्य तरीके हैं। भूमि संसाधन का संरक्षण करना पारितन्त्र के लिए अति आवश्यक है।

प्रश्न 6.
मृदा निर्माण को प्रभावित करने वाले कारक तथा उनकी भूमिका को चित्र बनाकर दर्शाइये।
उत्तर:

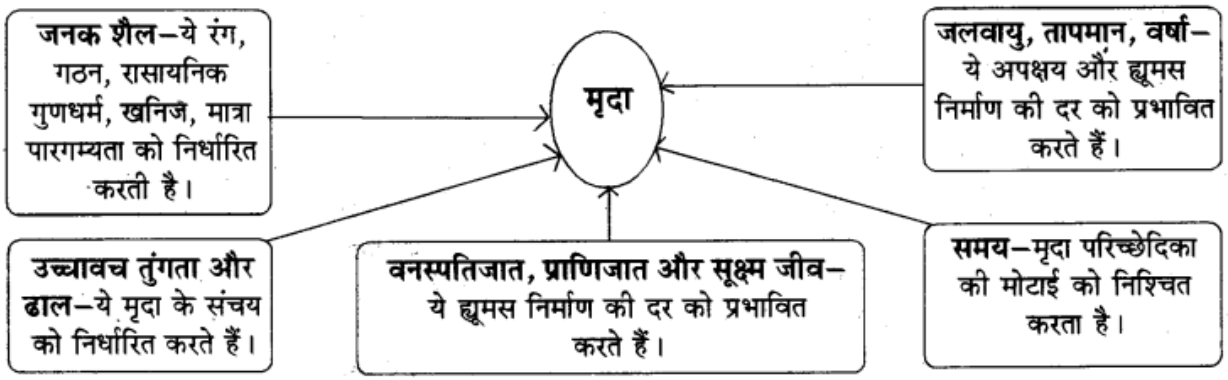

चित्र : मृदा निर्माण को प्रभावित करने वाले कारक

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 7.
मृदा अपरदन को रोकने की कोई दो विधियाँ बताइये।
उत्तर:

- वेदिका फार्म-चौड़े, समतल सोपान अथवा वेदिका तीव्र ढालों पर बनाए जाते हैं ताकि सपाट सतह फसल उगाने के लिए उपलब्ध हो जाए। इससे पृष्ठीय प्रवाह और मृदा अपरदन कम होता है।
- समोच्चरेखीय रोधिकाएँ-समोच्च रेखाओं पर रोधिकाएँ बनाने के लिए पत्थरों, घास, मृदा का उपयोग किया जाता है। रोधिकाओं के सामने जल एकत्र करने के लिए खाइयाँ बनाई जाती हैं, इससे मृदा अपरदन कम होता है।

प्रश्न 8.
अलवणीय जल पृथ्वी का सबसे अधिक मूल्यवान पदार्थ क्यों है?
उत्तर:
पृथ्वी पर लगभग तीन-चौथाई भाग पर जल पाया जाता है; किन्तु उसमें से अधिकांश महासागरों का लवणीय जल है जो मानवीय उपयोग के लिए उपयुक्त नहीं है। अलवणीय जल मात्र 2.7 प्रतिशत है, जिसका भी लगभग 70 प्रतिशत भाग बर्फ की चादरों और हिमानियों के रूप में अंटार्कटिका, ग्रीनलैण्ड तथा पर्वतीय प्रदेशों में पाया जाता है। केवल एक प्रतिशत अलवणीय जल ही मानव उपयोग के लिए उपलब्ध है, अतः अलवणीय जल पृथ्वी का सबसे अधिक मूल्यवान पदार्थ है।

प्रश्न 9.
जल उपलब्धता की समस्या को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
विश्व में अलवणीय जल बहुत कम मात्रा में उपलब्ध है अतः विश्व के कई देशों में जल की कमी है। अधिकांश अफ्रीका, पश्चिमी एशिया, दक्षिणी एशिया, पश्चिमी संयुक्त राज्य अमेरिका के भाग, उत्तर-पश्चिमी मैक्सिको, दक्षिणी अमेरिका के भाग और सम्पूर्ण आस्ट्रेलिया अलवणीय जल की आपूर्ति की कमी का सामना कर रहे हैं। ये देश ऐसे जलवायु प्रदेशों में स्थित हैं जहाँ अक्सर सूखा पड़ता है, अतः वहाँ पर जलाभाव की विकट समस्या बनी हुई है। विश्व के विभिन्न देशों में अति उपयोग तथा जल स्रोतों के प्रदूषण के कारण भी जल का अभाव उत्पन्न हो रहा है।

प्रश्न 10.
प्राकृतिक वनस्पति एवं वन्य जीवन के महत्त्व को स्पष्ट कीजिएन।
उत्तर:
वनस्पति तथा वन्य जीवन महत्त्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन हैं। ये सभी पारिस्थितिकी तंत्र को बनाने में हमारी मदद करते हैं। वनों से हमें लकड़ी प्राप्त होती है तथा वन्य जीवों को आश्रय प्रदान करते हैं। वन ऑक्सीजन उत्पन्न करते हैं जिसमें हम साँस लेते हैं। इनसे हमें गोंद, फल, फूल, औषधि, तेल, कागज आदि प्राप्त होते हैं। वन वर्षा को आकर्षित करते हैं तथा मृदा की सुरक्षा करते हैं। वन्य जीवन के अन्तर्गत जन्तु, पक्षी, कीट एवं जलीय जीव आते हैं जिनसे हमें दूध, मांस, खाल, ऊन आदि प्राप्त होते हैं। कीट, जैसे मधुमक्खी, हमें शहद देती है तथा फूलों के परागण में मदद करती है और पारितंत्र में अपघटक के रूप में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

प्रश्न 11.
जल चक्र किसे कहते हैं?
उत्तर:
वाष्पीकरण, वर्षण और बहने की प्रक्रियाओं द्वारा जल महासागरों, वायु, भूमि, नदियों तथा पुनः महासागरों में चक्रण द्वारा निरन्तर गतिशील है, यही जल चक्र कहलाता है।

प्रश्न 12.
सी.आई.टी.ई.एस. (C.I.T.E.S.) पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
वन्य वनस्पति तथा वन्य जीवों के संरक्षण हेतु अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक कदम उठाए गए हैं। इसके अन्तर्गत सी.आई.टी.ई.एस. (द कन्वेंशन ऑन इंटरनेशनल ट्रेड इन इनडेंजर्ड स्पीशीज ऑफ वाइल्ड फौना एंड फ्लौरा) की स्थापना की गई। जिससे प्राणियों और पक्षियों की अनेक जातियों की सूची तैयार की गई है। इस सूची में दिए गए सभी पक्षियों और प्राणियों के व्यापार करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इससे वन्य जीवों के संरक्षण में मदद मिलेगी। सी.आई.टी.ई.एस. सरकारों के बीच वन्य संरक्षण हेतु किया गया एक समझौता है।

प्रश्न 13.
दावानल के कारण तथा नियंत्रण के उपाय बताइये।
उत्तर:
दावानल के कारण-

- तड़ित झंझा के कारण प्राकृतिक अग्नि का लगना।
- लोगों की लापरवाही के कारण घास-फूस में जनित ऊष्मा के कारण अग्नि का लगना।
- स्थानिक लोगों, ऊधमी एवं शरारती लोगों द्वारा किसी उद्देश्य से अग्नि लगाना।

दावानल नियंत्रण के कुछ उपाय-

- शिक्षण द्वारा अग्नि लगने से रोकना।
- परीक्षण बिंदुओं, निपुण भूमि चौकसी तथा संचार जाल के समन्वित जाल द्वारा अग्नि लगने का शीघ्र पता लगाना।

https://www.evidyarthi.in/